घोघरडीहा प्रखंड स्वराज्य विकास संघ जगतपुर,मधुबनी,बिहार
मेघ पाईन अभियान
केस स्टडी वर्ष 2010
फाइदामंद शौचालय द्वारा पार्यावरण सुरक्षा

परिचय

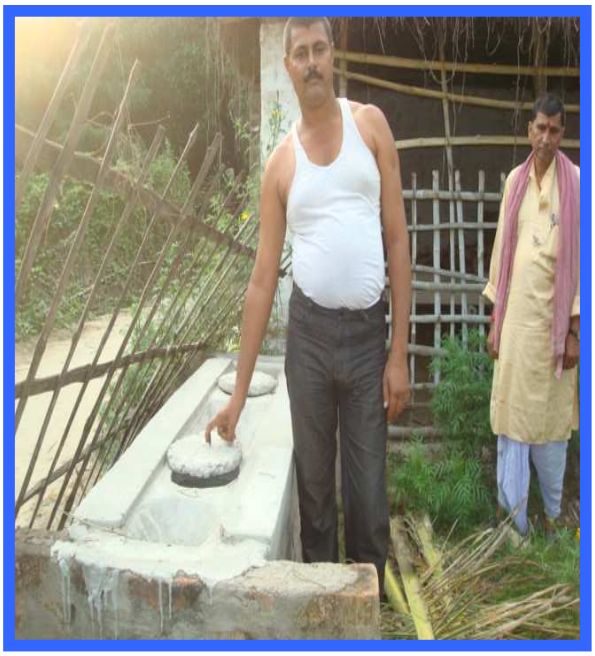

राजीव कुमार झा पिता- स्व रमेश चन्द्र झा उम्र - 40वर्ष,जाति- सामान्य (ब्राहमण)गाँव- भभाम, पंचायत- हरडी,जिला- मधुबनी,बिहार,परिवार मे महिला - 3, पुरुष - 4 कुल कुल - 7 सदस्य के साथ गाँव के एक सुखी समपन्न सामान्य किसान हैं । इनका मुख्य आयश्रोत खेती है । नगद आमदनी नहीं होने के कारण इन्हें कृषि पर ही पुर्णत: निर्भर रहना पडता है । प्रत्येक वर्ष किसी न किसी आपदा जैसे बाढ़–सुखाड़ से खेती प्रभावित होती रही है जिसके कारण यहॉ की जिविका का मुख्य साधन ''कृषि' नष्ट हो जाता हैं तथा जिविकोपार्जन की समस्या उतपन्न हो जाती है । समय तथा जनचेतना के अभाव के कारण सही समय पर गंदगी की सफाई नहीं करने, तथा चापाकल के आसपास गंदगीं के कारण परिवार के अधिकर सदस्य पेट संबंधी जलजनित बिमारी से पिडित रहते थे । राजीव कुमार झा खुद भी बहुत दिनों से गैस्ट्रिक से पिडित रहते थे । इन्हें परिवार के विभिन्न बिमारी में सालाना लगभग 5000 रु खर्च हो जाता था । इनके पास व्यक्तिगत तथा गाँव में सार्वजनिक शौचालय नहीं होने के कारण प्राय: सभी व्यक्ति बाहर खुला में शौच करते हैं ।

गाँव की स्थिति

यह भभाम गॉव;जिला मुख्यालय से 45 कि. मी.द.पु., झंझारपुर से 11 कि. मी. उत्तर तथा कमला नदी के पुर्वी तटबंध से 2 किलोमीटर पुर्व अवस्थित है । जबसे नदी का तटबंध बना है बाढ से कुछ बचाव होती है । इस गाँव में उच्च एवं निम्न दोनो जाति के लोग रहते हैं । यहाँ के दक्षिणी एवं पूर्वी भाग में अभी भी जलजमाव रहता है । यहाँ पहले धान के सिवा दुसरा अन्य फसल नहीं ऊपजाया जा सकता था परन्तु जबसे नदी का तटबंध बना है अब किसान

गरमा तथा खरीफ दोनो फसल उपजाते हैं । पुर्व मे गाँव की शिक्षा की स्थिति बहुत ही खराब थी। सिर्फ उच्च जाति के लोग ही अपने बच्चे को पढाते थे ।आज के विकास के दौर एवं सरकार का प्रयास से सभी शिक्षा के तरफ आकर्षित हुए हैं । शिक्षा एवं जनचेतना के अभाव के कारण इस गाँव में हमेशा गंदगी भरी रहती थी । जिसके कारण व्यक्ति जलजनित बिमारी से ग्रसित रहते थे ।इस गाँव मे सार्वजनिक शौचालय तथा किसी के पास व्यक्तिगत शौचालय नहीं होने के कारण प्राय: सभी व्यक्ति बाहर खुला में शौच करते हैं जिसके कारण इस गाँव का वातावरण एवं जल प्रदुषित होने से समान्यतया बिमार रहा करते है ।

प्रयास

2008 में घोघरडीहा प्रखण्ड स्वराज्य विकास संघ,जगतपुर,मधुबनी एवं मेघ पाइन अभियान के द्वारा समग्र जल प्रबंधन पर विभिन्न चेतनामूलक कार्यक्रम की शुरुआत हुई तो चर्चा के दौरान एक समिति बनाकर दुषित वातावरण एवं जल से होने बिमारी,परेशानी एवं इसका उपाय के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी तथा पानी जाँच करके इसमे मौजुद अमोनिया,आयरन,फ्लोराइड,आर्सेनिक इत्यादि जैसे रासायनिक तत्वों तथा गैसो मानक मापदंड से अधिकता एवं उससे होने वाले दु:प्रभाव के बारे मे विस्तृत जानकारी दिया गया । मेघ पाइन अभियान के कार्यकर्त्ता द्वारा किस तरह से वातावरण को प्रदुषण मुक्त बनाये जाने की संदर्भ में फाइदेमंद शौचालय तथा उसके उपयोग एवं उससे होने वाले लाभ के बारे में विस्तृत जानकारी दिया गया । जलकोठी में वर्षाजल भण्डारण एवं मटकाफिल्टर का प्रयोग के बारे मे विस्तृत जानकारी देते हुए तत्काल वर्षाजल भण्डारण के लिए एक पोलिथिन टांग दिया गया तथा उससे वर्षाजल भण्डारण का तरिका जैसे वर्षा शुरु होते ही पहले 10 मिनट पोलिथिन को साफ होने के लिए छोड दें फिर साफ होने के बाद नीचे साफ बाल्टी या साफ बर्तन रखकर उसमे पानी जमा करें तथा ध्यान रखें कि कोई भी व्यक्ति या बच्चा उसमें गंदा हाथ या बस्तु न डाले । वर्षाजल भण्डारण के लिए संस्था द्वारा एक जलकोठी भी दिया गया तथा वातावरण प्रदुषण से होने वाले विभिन्न बिमारी के बारे मे जानकारी देते हुए फाइदेमंद शौचालय बनाने का सलाह दिया गया ।

उपलब्धि

मेघ पाइन अभियान के कार्यकर्त्ता द्वारा मटकाफिल्टर एवं वर्षाजल की शुद्धता तथा उसके उपयोग एवं उससे होने वाले लाभ के बारे में विस्तृत जानकारी देने के बाद राजीव कुमार झा के चापाकल में आयरन की अधिकता पाये जाने पर खुद मटकाफिल्टर एवं वर्षाजल का प्रयोग आज यह पुरे परिवार के साथ एवं वर्षाजल का प्रयोग करते हैं तथा प्रत्येक सप्ताह इसका साफ

- सफाई करते हैं । इन्होने लोक आवास यात्रा में जब फाइदेमंद शौचालय देखा तब से ही इन्हे फाइदेमंद शौचालय बनाने का इच्छा हो रही थी । इन्होने प्रदुषण मुक्त वातावरण के लिए फाइदेमंद शौचालय बनवाये कुल 10000 रु खर्च हुआ जिसमे संस्था के द्वारा इन्हें 3000 रु का सहयोग मिला । इन्होने शौच का पानी का सदुपयोग करने के लिए अपने फाइदेमंद शौचालय के दोनो तरफ वर्मी कम्पोस्ट का टैंक भी बनवाये । ये कहते हैं कि फाइदेमंद शौचालय

1. पार्यावरण को नुकसान नहीं पहुचेगा ।
2. मल एवं मुत्र दोनो का उपयोग उर्वरक के रुप में किया जा सकता है ।
3. मल को अमोनिया फास्फेट के रुप में
4. मुत्र को नाइट्रोजन के श्रोत के रुप मे प्रयोग किया सकता है ।
5. यह खाद सभी प्रकार सब्जी में प्रयोग किया जा सकते हैं ।

राजीव कुमार झा फाइदेमंद शौचालय का एक दुगुर्ण बताते हैं कि फाइदेमंद शौचालय का शौच का पानी निकलने का जो व्यवस्था है उससे किसी न किसी रुप में वातावरण को दुषित करता है जिसके लिए दोनो तरफ वर्मी कम्पोस्ट का टैंक बनवाने की सलाह देते हैं । राजीव कुमार झा घोघरडीहा प्रखण्ड स्वराज्य विकास संघ,जगतपुर,मधुबनी एवं मेघ पाइन अभियान के कार्यकर्ता के साथ मिलकर पुरे गाँव में दुषित वातावरण एवं जल से होने बिमारी,परेशानी एवं इसका उपाय के बारे में विस्तृत जानकारी दिया करते हैं ।

सीख

जब हम समस्या किसी भी प्रकार की समस्या और उसके समाधान के सकारात्मक उपायों की चर्चा समुदाय के बीच करते हैं तो कभी-कभी ऐसी बातें भी हमारे सामने आती है. जो उस समस्या के समाधान के अनछुए पहलू होते हैं, और वे हमारे लिए अनुकरणीय होते हैं ।